

वशिव रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW)

चर्चा में क्यों?

[वशिव रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह \(WAAW\)](#) के अवसर पर, [बनारस हिंदू विश्वविद्यालय](#) ने एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

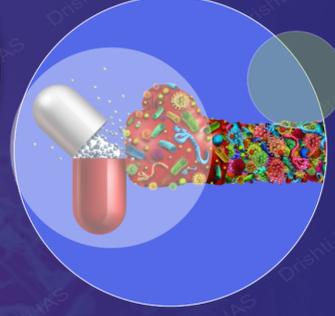
इसका उद्देश्य मरीजों और MBBS छात्रों को रोगाणुरोधी दवाओं के सही उपयोग और महत्त्व के बारे में शक्ति करना है।

मुख्य बंदि

- **WAAW का अवलोकन:**
 - [रोगाणुरोधी प्रतरोध](#) के संबंघ में जागरूकता बढ़ाने के लयि वशिव रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) प्रतविरष 18 से 24 नवंबर तक मनाया जाता है।
 - AMR तब होता है जब [बैक्टीरिया](#), [वायरस](#), [परजीवी](#) या [कवक](#) जैसे सूक्ष्मजीव वकिसति होते हैं और रोगाणुरोधी दवाओं के प्रतरोधी हो जाते हैं, जससे संक्रमण का उपचार कठनि हो जाता है और रोग फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
 - वशिषज्जों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रोगाणुरोधी प्रतरोध के कारण प्रतविरष लगभग 300,000 लोगों की मृत्यु होती है तथा उन्होंने स्पष्ट किया कि हर बुखार टाइफाइड नहीं होता है या हर बुखार के लयि एंटीबायोटकि की आवश्यकता नहीं होती है।
- **इंटरैक्टवि गतविधियाँ:**
 - छात्रों ने AMR जागरूकता का संदेश दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लयि एक नुककड़ नाटक का प्रयोग किया।
 - AMR से नपिटने में संक्रमण की रोकथाम की भूमिका पर ज़ोर देते हुए **उचति हाथ धोने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया।**
- **महत्त्व:**
 - यह पहल **एंटीबायोटकि प्रतरोध के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जनता को शक्ति करने** तथा इस समस्या के समाधान के लयि स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने की दशा में एक महत्त्वपूरण कदम है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AntiMicrobial Resistance-AMR)

सूक्ष्मजीवों में रोगाणुरोधी दवाओं के प्रभाव का विरोध करने की क्षमता



AMR में वृद्धि के कारण

- संक्रमण नियंत्रण/स्वच्छता की खराब स्थिति
- एंटीबायोटिक दवाओं का अति प्रयोग
- सूक्ष्मजीवों का आनुवंशिक उत्परिवर्तन
- नई रोगाणुरोधी दवाओं के अनुसंधान एवं विकास में निवेश का अभाव

AMR विकसित करने वाले सूक्ष्मजीवों को 'सुपरबग' कहा जाता है

AMR के प्रभाव

- ↑ संक्रमण फैलने का खतरा
- संक्रमण को इलाज को कठिन बना देता है; लंबे समय तक चलने वाली बीमारी
- ↑ स्वास्थ्य सेवाओं की लागत

उदाहरण

- K निमोनिया में AMR के कारण कार्बापेनेम (Carbapenem) एंटीबायोटिक्स प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं
- AMR माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी टीबी (RR-टीबी) का कारण बनता है
- दवा प्रतिरोधी HIV (HIVDR) एंटीरेट्रोवाइरल (ARV) दवाओं को अप्रभावी बना रहा है

WHO द्वारा मान्यता

AMR की पहचान वैश्विक स्वास्थ्य के लिये शीर्ष 10 खतरों में से एक के रूप में

वर्ष 2015 में GLASS (ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस एंड यूज सर्विलांस सिस्टम) लॉन्च किया गया

AMR के खिलाफ भारत की पहलें

- टीबी, वेक्टर जनित रोग, एड्स आदि का कारण बनने वाले रोगाणुओं में AMR की निगरानी।
- वन हेल्थ के दृष्टिकोण के साथ AMR पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2017)
- ICMR द्वारा एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम

न्यू देल्ही मेटालो-बीटा-लैक्टामेज़-1 (NDM-1) एक जीवाणु एंजाइम है, जिसका उद्भव भारत से हुआ है, यह सभी मौजूदा β -लैक्टम एंटीबायोटिक्स को निष्क्रिय कर देता है